संध्या में अंधकार में

29.3.23
C.W

Ch-1

प्रभु तुम मेरे मन की जानो

शब्दार्थ :-

1 अछूत - जो छुए जाने के योग्य न माना जाता हो
2 अमिट - जो मिट न सके
3 व्याकुल - बेचैन
4 पाषाण - पत्थर
5 पसीजो - दया करना
6 विद्रोही - बगावती
7 निर्मम - हिंसक
8 प्रतिष्ठा - सम्मान
9 अनुराग - प्रेम
10 स्नेह - प्रेम भाव
11 आश्वासन - दिलासा या धैर्य देना

4 सही विकल्प चुनकर (✓) लगाओ :-

क युवती मंदिर के द्वार पर किस समय आई है ?
Ans अंधकार मे

ख युवती किसका प्रेम चाहती है ?
Ans प्रभु का

ग युवती ने अपने देवता को क्या कहकर संबोधित किया है?

Ans पाषाण

घ पुजारी युवती को मंदिर में जाने क्यों नहीं दे रहा है?

Ans क्योंकि वह अछूत है

भाषा - ज्ञानी :-

2) दो - दो पर्यायवाची शब्द लिखो :-

(i) अतिथि - मेहमान, आगंतुक
(ii) किनारा - कूल, तट
(iii) कोष - खजाना, भंडार
(iv) ग्रीष्म - ताप, गरमी
(v) अग्नि - आग, अनल

3) भाववाचक संज्ञा शब्द बनाओ :-

	ता	त्व
महान	महान - महानता	पुरुष - पुरुषत्व
सज्जन	सज्जन - सज्जनता	देव - देवत्व
कठोर	कठोर - कठोरता	महत् - महत्व
सुंदर	सुंदर - सुंदरता	बंधु - बंधुत्व

4) विलोम शब्द लिखो :-

(i) अपना - पराया
(ii) तम - आलोक
(iii) विफल - सफल
(iv) खेद - हर्ष
(v) एक - अनेक
(vi) गम - खुशी
(vii) तरल - ठोस
(viii) दायाँ - बायाँ

5) वाक्यों को संकेत के अनुसार बदलो :-

(i) वह एक दुबला-पतला काला युवक था, (लिंग बदलो)
= वह एक दुबली-पतली काली युवती थी।
(ii) दो मुरगियाँ लेकर किशन फिर मकान के भीतर पहुँच गया, (किशन ने से वाक्य शुरू करो)
= किशन ने दो मुरगियाँ लेकर मकान के भीतर पहुँच गया,
(iii) सीता ने सही अंदाजा लगाया था, (सीता का - से वाक्य शुरू करो)
= सीता का अंदाजा सही था,
(iv) बच्चा खिलौना लेने को मचल रहा था, (बहुवचन में लिखो)
= बच्चे खिलौने लेने को मचल रहे थे,

(v) मोहनदास सदा सत्य कहता है. (विलोम लिखो)
= मोहनदास सदा मिथ्या कहता है.

1 मौखिक :-

क युवती को कहाँ जाने का अधिकार नहीं दिया गया है ?
Ans युवती को मंदिर जाने का अधिकार नहीं दिया गया है.

ख प्रभु की पूजा करने के लिए युवती कब और कैसे पहुँची है ?
Ans प्रभु की पूजा करने के लिए युवती अंधकार में छिप-छिप कर पहुँची है.

ग युवती का क्या करने को मन करता है ?
Ans युवती को प्रभु की पूजा करने को मन करता है.

घ पुजारी युवती से क्या कहता है और क्यों ?
Ans पुजारी युवती से कहता है कि यह तेरा भगवान नहीं है तथा उसे इस मंदिर में जाने कि अनुमती नहीं है क्योंकि वह अछूत थी.

ङ. युवती किस बात को मानने को तैयार नहीं है ?
Ans युवती यह बात को मानने को तैयार नहीं है कि ईश्वर दो है.

२ लिखित :-

क युवती को किस बात से पीड़ा हो रही है और वह कहाँ और किससे गुहार लगा रही है?

= युवती को इस बात से पीड़ा हो रही है क्योंकि वह मंदिर के भीतर जा नहीं सकती थी, वह मंदिर के द्वार पर बैठ कर प्रभु की गुहार लगा रही है.

ख युवती के मन में विद्रोह की ज्वाला क्यों भड़क उठी है?

= युवती अछूत है तथा उस मंदिर के पूजारी ने उस युवती को मंदिर में आने नहीं दिया और उसे भगवान से दूर कर दिया. यह सब युवती देखकर उसके मन में विद्रोह की ज्वाला भड़क उठी है.

ग युवती अपने प्रभु से किस बात का आश्वासन लेने आई है?

= युवती अपने प्रभु से अनुराग, स्नेह, प्यार और सत्कार का आश्वासन लेने आई है.

घ कविता से वे पंक्तियाँ चुनकर लिखो जिनके अर्थ नीचे दिए गए हैं -

(i) मेरे मन में तुम्हारे लिए न मिटने वाला प्यार

भरा है लेकिन फिर भी मैं तुम्हारे पास आ नहीं सकूँगी,

= प्यार असीम अमिट है, फिर भी पास तुम्हारे आ न सकूँगी,

(ii) मैं बहुत गरीब हूँ, जैसे-तैसे किसी तरह पूजा का सामान जुटा कर बड़ी साधना के साथ तुम्हारे द्वारे तुझे पूजने के लिए आती हूँ,

= मैं गरीबिनी, किसी तरह से पूजा का सामान जुटाती बड़ी साध से तुझे पूजने, मंदिर के द्वार तक आती।

(iii) मैं अब और इस हिंसक समाज के बंधनों को सह नहीं पाऊँगी,

= यह निर्मम समाज का बंधन और अधिक अब सह न सकूँगी,

= मेरे मन में भी आपके लिए प्रेम भरा है, प्यार भरा है, पूरे संसार में बरस जाने का प्रेमभाव और आदर भरा हुआ है, वही प्रेम, आदर, प्यार मैं आज आपको देने आई हूँ और मैं इतनी दिलासा रखती हूँ कि आप मुझे आपकी पूजा करने का अवशर देंगे, प्रभु आप कहो तो की आपको इस संसार के बातों पर विश्वास नहीं है, छूत-अछूत, छनी-निछनि आदि का भेद-भाव आपके पास नहीं है,